VSHORAD मिसाइल प्रणाली

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में,रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) द्वारा रक्षा बलों के लिए नवीन खरीद हेतु स्वीकृति प्रदान की, जिसके अंतर्गत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली या VSHORAD (IR होमिंग) मिसाइल प्रणाली शामिल है।

VSHORAD मिसाइल प्रणाली के बारे में

- यह एक मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम (MANPADS) है।
- यह कम दूरी की मिसाइल है जो हल्की और पोर्टेबल सतह से हवा में मार कर सकती है।
- इन मिसाइलों को व्यक्तियों या छोटे समूहों द्वारा विमान या हेलीकाप्टरों को नष्ट करने के लिए दागा जा सकता है।
- इनकी अधिकतम सीमा 8 किलोमीटर है और ये 4.5 किमी की ऊंचाई पर लक्ष्य भेद सकती हैं।

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

ब्लैकबक

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc) के द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार भारत में काले हिरण (blackbuck) द्वारा प्राकृतिक और मानव-प्रेरित चुनौतियों से निपट कर अपने अस्तित्व को कैसे बचाया गया ,की जानकारी दी गयी

काले हिरण के बारे में

- यह भारत और नेपाल में मूल रूप से पाई जाने वाली मृग प्रजाति है।
- पुरुष हिरण में कॉर्कस्क्रू के आकार के सींग और काले एवं गहरे भूरे रंग के कोट होते हैं, जबकि मादाएं हल्के रंग की होती हैं।

- इसे मुख्य रूप से पूरे भारत में उत्तरी, दक्षिणी और पूर्वी क्षेत्रों में तीन व्यापक समूहों में देखा जाता है।
- यह राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा और पूरे प्रायद्वीपीय भारत के अन्य क्षेत्रों में व्यापक रूप से पाया जाता है।
- IUCN लाल सूची: LC (Least Concern)
- 1972 का वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I
- CITES : परिशिष्ट III
- शोधकर्त्ताओं ओं ने पाया कि एक पुश्तैनी काले हिरण की आबादी पहले दो समूहों में विभाजित हुई: उत्तरी और दक्षिणी समूह। भौगोलिक रूप से उत्तरी क्लस्टर के करीब होने के बावजूद पूर्वी क्लस्टर, दक्षिणी क्लस्टर से उभरा है।
- इन सभी बाधाओं के बावजूद, नर ब्लैकबक अपेक्षा से अधिक फैलता गया, इसने इस प्रजाति में जीन प्रवाह में अहम योगदान दिया है। दूसरी ओर, मादा ने अपनी मूल जनसंख्या, काफी हद तक सीमाओं के भीतर बनाई ।

भारत में संरक्षित क्षेत्र:

- गिर राष्ट्रीय उद्यान, गुजरात
- कैमूर वन्यजीव अभयारण्य, बिहार
- कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, मध्य प्रदेश
- रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान
- रानीबेन्नूर ब्लैकबक अभयारण्य, कर्नाटक
- वल्लानाडु वन्यजीव अभयारण्य, तमिलनाडु

स्रोत- द हिन्दू

कोरोनरी स्टेंट

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में, दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा केंद्र सरकार से देश में कोरोनरी स्टेंट की बिक्री और विपणन की मांग करने वाली एक याचिका पर पर्याप्त सहायक नैदानिक अध्ययन के पश्चात तक निर्णय सुरक्षित रखा गया।

स्टेंट क्या है?

KARMANYEVADHIKARASTE MAA PHALESHU KADAACHAN THE STUDY An Institute for IAS

- स्टेंट एक छोटा,विस्तार योग्य मेटल मेश कॉइल होता है। धमनी को फिर से संकुचित या बंद होने से बचाने में मदद करने के लिए इसे धमनी में रखा जाता है।
- इस प्रक्रिया को कोरोनरी एंजियोप्लास्टी कहा जाता है।

एंजियोप्लास्टी

- एंजियोप्लास्टी वह प्रक्रिया है जिसका उपयोग कोरोनरी धमनी रोग के कारण अवरुद्ध कोरोनरी धमनियों को खोलने के लिए किया जाता है।
- यह ओपन-हार्ट सर्जरी के बिना हृदय की मांसपेशियों में रक्त के प्रवाह को बहाल करती है।
- दिल का दौरा पड़ने जैसी आपातकालीन स्थिति में एंजियोप्लास्टी की जा सकती है या इसे वैकल्पिक सर्जरी के रूप में किया जा सकता है यदि आपका स्वास्थ्य सेवा प्रदाता दृढ़ता से संदेह करता है कि आपको हृदय रोग है।
- कोरोनरी स्टेंट का उपयोग अब लगभग सभी एंजियोप्लास्टी प्रक्रियाओं में किया जाता है।
- स्टेंट के अंदर निशान ऊतक को बनने से रोकने के लिए अधिकांश स्टेंट दवा के साथ लेपित होते हैं। इन स्टेंट को ड्रग एल्यूटिंग स्टेंट कहा जाता है।

स्रोत- द हिन्दू

ग्राम रक्षा रक्षक योजना (VDG)

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में, जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी हमलों के कारण VDG के सदस्यों को असॉल्ट राइफलों से लैस करने , VDG को हथियार प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए CRPF ने नवीन प्रक्रिया शुरू की है।

पृष्ठभूमि

- ग्राम रक्षा समितियों (VDCs) की स्थापना 1990 के दशक में जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में आत्मरक्षा उद्देश्यों के लिए ग्रामीणों को हथियार प्रदान करने के लिए की गई थी।
- 2020 में, ग्राम रक्षा समितियों की नीति को नया रूप दिया गया और ग्राम रक्षा समूहों को पेश किया गया, जिनके सदस्यों को ग्राम रक्षा रक्षक (VDC) कहा जाता है।
- इसके तहत प्रत्येक समूह को 'ग्राम रक्षा समूह' कहा जाएगा और इसकी अध्यक्षता सेना/केंद्रीय अर्धसैनिक बल जम्मू-

कश्मीर पुलिस के एक सेवानिवृत्त अधिकारी द्वारा की जाएगी।

ग्राम रक्षा रक्षक योजना

उद्देश्य-

- गाँव वालों में आत्म-सुरक्षा की भावना पैदा करना।
- लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सीमा के साथ लगे जम्मू संभाग वाले गांवों में स्वयंसेवी सशस्त्र नागरिकों के एक छोटे समूह को संगठित करना, ताकि अकस्मात हमलो में स्थिति को संभाला जा सके।
- VDG को उनके गांव के परिभाषित क्षेत्रों के भीतर सामुदायिक प्रतिष्ठानों और बुनियादी सुविधाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

स्रोत- हिंदुस्तान टाइम्स

क्षैतिज आरक्षण

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में, उत्तराखंड के राज्यपाल के द्वारा राज्य की मूल महिलाओं को 30% आरक्षण देने वाला एक विधेयक पास किया गया।

प्रमुख बिंदु

- उत्तराखंड लोक सेवा (महिलाओं के लिए क्षैतिज आरक्षण) विधेयक, 2022, राज्य में लागू मौजूदा आरक्षण के अलावा सार्वजनिक सेवाओं और पदों में महिलाओं को 30% क्षैतिज आरक्षण प्रदान करता है।
- इसके तहत लाभार्थियों को उत्तराखंड के अधिवास प्रमाण पत्र के साथ महिला होना चाहिए।
- यदि आरक्षित सीटों को भरने के लिए पर्याप्त महिलाएं उपलब्ध नहीं होती हैं, तो उन्हें प्रवीणता के क्रम में योग्य पुरुष उम्मीदवारों से भरा जाएगा।

क्षैतिज आरक्षण क्या है?

- क्षैतिज आरक्षण का तात्पर्य लाभार्थियों की अन्य श्रेणियों; जैसे- महिलाओं, ट्रांसजेंडर समुदाय और विकलांग व्यक्तियों को वर्टिकल श्रेणियों के माध्यम से प्रदान किए गए समान अवसर से है।
- जबकि एक वर्टिकल आरक्षण, कानून के तहत निर्दिष्ट प्रत्येक समूह के लिए अलग से लागू होता है, क्षैतिज आरक्षण हमेशा प्रत्येक वर्टिकल श्रेणी के लिए अलग से लागू होता है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण को वर्टिकल आरक्षण कहा जाता है।

स्रोत- द हिन्दू